सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

# स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 07 दिसंबर, 2025

वर्षः 02, अंकः 325, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

यूनिफॉर्म धारी फोर्स के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए

इनसाइड सांसद रमेश अवस्थी के पुत्र के विवाह समारोह में जुटीं... » Pg02

## सियासत के लिए बाबर के बेटे के नाम का फायदा

# जिद्दी हुमायूं ने तय किया बंगाल चुनाव का एजेंडा..?

### कांग्रेस, टीएमसी और बीजेपी का चखा स्वाद, अब अपनी पार्टी बनाने की ओर अग्रसर

### मुर्शिदाबाद में रखी गई नई बाबरी स्टाइल मस्जिद की नींव, विधायक हुमायूं कबीर बोले- कोई ताकत रोक नहीं सकती

**» अयोध्या, मथुरा, संभल में चप्पे-चप्पे की निगरानी।**

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)। बाबरी मस्जिद विध्वंस के आज 33 साल पूरे हो गए हैं। अभी तक जहां पहले ही इस दिन से जुड़े जख्म मिटे नहीं हैं वहीं एक बार फिर आज के दिन से नया विवाद जुड़ गया है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में आज शनिवार को निलंबित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक हमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता के बीच विवादास्पद बाबरी शैली की मस्जिद के शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में इस मस्जिद की आधारशिला रखी। जिले में तनाव की आशंका को देखते हुए हाई अलर्ट घोषित किया गया है। हमायूं कबीर ने पहले ही ऐलान किया था इस मस्जिद का मॉडल बाबरी मस्जिद की तर्ज पर तैयार होगा। दिलचस्प बात ये है कि आज 6 दिसंबर यानी जिस दिन बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी उसी दिन को शिलान्यास कार्यक्रम के लिए चुना गया है।

हुमायूं कबीर ने मस्जिद की आधारशिला कार्यक्रम के मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

बाबरी मस्जिद की तर्ज पर नई मस्जिद के शिलान्यास समारोह को देखते हुए कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकड़ियां तैनात की गईं। हुमायूं कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में ही टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि पार्टी ने इसे सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ा मामला बताया था।

आधारशिला रखने के समारोह के लिए कबीर ने 6 दिसंबर का दिन चुना, जो अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ है। हुमायूं कबीर ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह को बाधित करने की साजिश रची जा रही है। कबीर ने दावा किया कि 2026 के चुनावों में 90 विधानसभा क्षेत्रों से मुस्लिम उम्मीदवार विजयी होंगे। निलंबित टीएमसी विधायक ने कहा, कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें की जा रही हैं। दक्षिण बंगाल के जिलों से लाखों लोग ऐसी कोशिशों को नाकाम कर देंगे।

नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के लगाए नारे

### राजनीतिक संदेश, शक्ति-प्रदर्शन

हुमायूं कबीर की बात करें तो वह कांग्रेस से भाजपा और फिर टीएमसी तक का राजनीतिक सफर तय कर चुके हैं। उनके लिए यह समारोह राजनीतिक ताकत दिखाने का भी मंच बन गया। टीएमसी ने उन्हें गुरुवार को सांप्रदायिक राजनीति के आरोप में निलंबित कर दिया था। पहले भी वे विवादित बयानों के कारण पार्टी का कोपभाजन बनते रहे हैं। कबीर ने ऐलान किया है कि वह इस महीने के अंत तक अपनी अलग राजनीतिक पार्टी बनाएंगे।

### मेले जैसा आयोजन- विशाल मंच

बेलडांगा में तैयारियां एक बड़े मेले जैसी दिखाई दे रही थीं। धान के खेतों पर 150 फुट लंबा और 80 फुट चौड़ा विशाल मंच बनाया गया है, जिसमें लगभग 400 मेहमानों के बैठने की व्यवस्था है। मुर्शिदाबाद की सात कैटरिंग एजेंसियों को शाही बिरयानी बनाने का जिम्मा दिया गया है। करीब 40,000 पैकेट मेहमानों के लिए और 20,000 पैकेट स्थानीय लोगों के लिए बनाए जाएंगे।

### सभी पार्टियों का स्वाद ले चुके हैं हुमायूं कबीर

पश्चिम बंगाल की बेलडांगा सीट से विधायक हुमायूं कबीर ने राजनीति 1993 में कांग्रेस के साथ शुरू की थी। विधानसभा चुनाव भी पहला 2011 में कांग्रेस में रहते हुए ही लड़ा और जीते। एक साल में ही उनका कांग्रेस से मन भर गया और नवंबर 2012 में हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। तृणमूल कांग्रेस में हुमायूं कबीर को मंत्री बनाया गया। इसके बाद हुमायूं कबीर ने समाजवादी पार्टी ज्वाइन की। निर्दलीय की टिकट पर 2016 के विधानसभा चुनाव में उतरे, हार के बाद दोबारा कांग्रेस में लौट आए। वहां भी ज्यादा देर तक नहीं रुके और 2018 में भाजपा में शामिल हो गए. तृणमूल कांग्रेस में दोबारा 2021 में आए थे।

सिर पर ईंट लेकर पहुंचे समर्थक

## बाबरी विध्वंस की बरसी पर यूपी में हाई अलर्ट

बाबरी ढांचा ध्वंस की तारीख छह दिसंबर को लेकर उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन सतर्क है। पूरी अयोध्या को जोन,सेक्टर और सब में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता किया गया है। एक्सक्लूसिव ट्रेस डिटेक्टर, बम डिस्पोजल यूनिट के साथ अयोध्या धाम जंक्शन, राम जन्मभूमि पथ, राम पथ, भक्ति पथ और धर्म पथ पर ड्रोन उ?ाकर पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया है। अयोध्या के साथ ही यूपी की अन्य धार्मिक शहरों मथुरा, काशी, संभल, प्रयागराज आदि में भी निगरानी रखी जा रही है। अयोध्या, संभल और मथुरा में पुलिस और पीएसी के अलावा रैपिड रिएक्शन फोर्स (आरआरएफ) की भी तैनाती की गई है। इसके अलावा ड्रोन, सीसीटीवी और कमांड एंड क्रंट्रोल सेंटर के जरिए भी निगरानी की जा रही है।

यूपी के प्रमुख शहरों में होटल और धर्मशाला इत्यादि जगहों पर रुके हुए लोगों का सत्यापन भी किया गया है। शुक्रवार की शाम को पुलिस बल ने पैदल मार्च निकाल कर आम जनमानस को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। क्षेत्राधिकारी को संपूर्ण पुलिस व्यवस्था का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। एक दिन पूर्व ही सुरक्षाकर्मियों को नियत स्थानों पर तैनात कर दिया गया। मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान परिसर, शाही ईदगाह मस्जिद, भीड़भाड़ वाले बाजारों और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई है। छह दिसंबर को विभिन्न संगठनों द्वारा शौर्य दिवस मनाने और जन्मस्थान की देहरी पूजन करने की घोषणा के बाद जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कर दी गई। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह के आसपास पर्याप्त सुरक्षा इंताजामात किये गए। करीब 150 लोगों को पाबंद कर दिया गया है।

### मानसिक रूप से बीमार

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, हुमायूं कबीर मानसिक तौर पर बीमार हैं। सियासत को चमकाने के लिये मस्जिद का सहारा ले रहा है। हुमायूं कबीर वहीयाता आदमी है। बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है। मसूद ने कहा कि मस्जिद को राजनीति का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। उनका यह कदम समाज को बांटने और माहौल खराब करने की साजिश जैसा है।

# सांसद रमेश अवस्थी के पुत्र के विवाह समारोह में जुटीं देश की नामचीन हस्तियां

## समारोह में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री और कुमार विश्वास सहित कई नेता राजनेता धर्मगुरु शामिल हुए

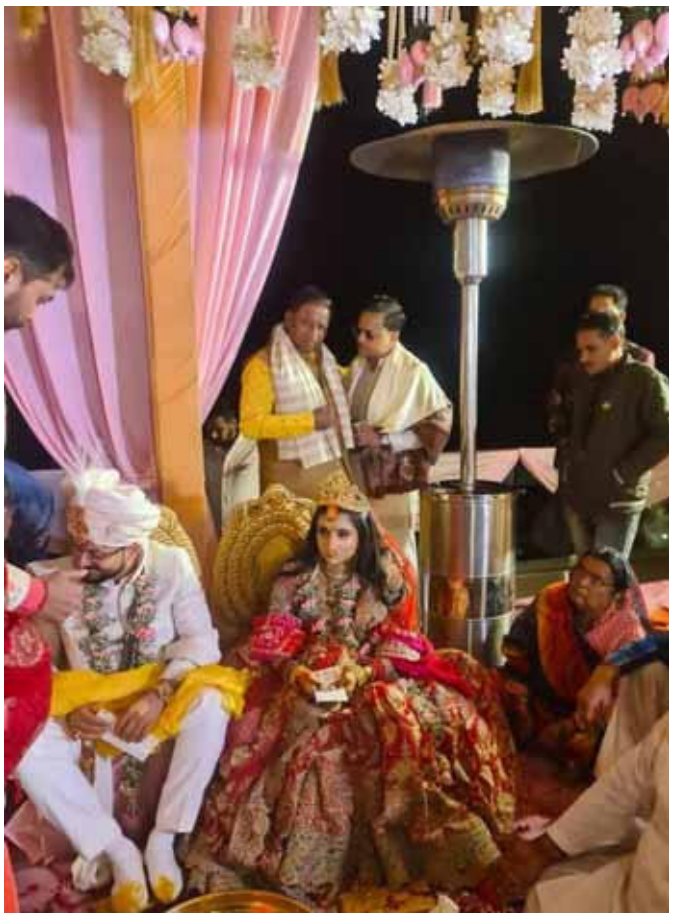

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर।देवभूमि उत्तराखंड के नरेंद्रनगर स्थित होटल वेस्टिन में कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी के पुत्र सचिन अवस्थी के विवाह समारोह में देशभर की कई प्रतिष्ठित हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिला। पर्वतीय सौंदर्य के बीच सम्पन्न हुए इस भव्य आयोजन में राजनीतिक, प्रशासनिक, साहित्यिक और आध्यात्मिक जगत की चर्चित हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।**

समारोह में सनातन परंपरा के प्रसिद्ध संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, देश के लोकप्रिय कवि कुमार विश्वास, पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, कानपुर के पूर्व पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, पूर्व एसएसपी यशस्वी यादव, आईएएस अधिकारी राजीव रौतेला सहित अनेक वरिष्ठ राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

ऊँचे पहाड़ों और सर्द मौसम के बीच आयोजित इस विवाह समारोह में मेहमानों का जोश देखते ही बनता था।

सभी अतिथियों ने दूल्हे सचिन अवस्थी और दुल्हन नूपुर को आशीर्वाद देते हुए

उनके वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएं कीं।

सजावट, परंपरागत रस्मों और विशिष्ट मेहमानों की मौजूदगी ने इस आयोजन को खास बनाते हुए पर्वतीय प्रदेश में एक यादगार माहौल तैयार किया।

समारोह में शामिल लोगों ने इसे अद्भुत, भव्य और अविस्मरणीय आयोजन बताया।

# आईआईटी कानपुर में प्लेसमेंट ऑफर 16 प्रतिशत बढ़ा

- **पीपीओ में 27 फीसदी की उछाल, शुरुआती चरण में 672 छात्रों को नौकरी के प्रस्ताव**
- **वीजा नियम कड़े होने से इंटरनेशनल ऑफर घटे, केवल 9 छात्रों को विदेश से अवसर**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अमेरिका में वीजा नियमों और टैरिफ से जुड़े प्रतिबंध कड़े होने का सीधा असर अब भारतीय प्रतिभाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर दिखाई देने लगा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अब विदेश के बजाय भारत में ही भर्तियों पर जोर दे रही हैं। इसका लाभ आईआईटी कानपुर के छात्रों को मिला है, जहाँ इस वर्ष प्लेसमेंट अभियान की शुरुआत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है।आईआईटी कानपुर प्रशासन के अनुसार, प्लेसमेंट अभियान के पहले चरण की शुरुआत में कुल 672 नौकरी के प्रस्ताव मिले, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक हैं।

वहीं प्री-प्लेसमेंट ऑफर में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इस वर्ष छात्रों को 253 पीपीओ प्राप्त हुए हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 199 थी।

अंतरराष्ट्रीय अवसरों में कमी जरूर आई है। अमेरिकी वीजा नियमों की सख्ती के चलते इस बार केवल 9 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय जॉब ऑफर मिले हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 13 थी।प्लेसमेंट प्रक्रिया 1 दिसंबर से शुरू हुई है और इसका पहला चरण 15 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान में ऐसेन्चर, ब्लैक रॉक, एचएसबीसी, सैप , एयरबस और पीडब्ल्यूसी जैसी शीर्ष कंपनियाँ शामिल हैं। प्रशासन के मुताबिक शुरुआती आंकड़े उत्साहजनक हैं और आने वाले दिनों में और भी बेहतर परिणाम की उम्मीद है।

## कानपुर बोट क्लब फिर गुलजार

# रोमांच औरआस्था का संगम सोमवार से होगा शुरू

**» वर्षा काल के बाद तैयारियां पूरी, पहली बार मैदानी यूपी में पैरासेलिंग की सुविधा**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर नगर। लंबे विराम के बाद कानपुर बोट क्लब एक बार फिर गतिविधियों से सराबोर होने जा रहा है। वर्षाकाल में बंद रही बोटिंग सोमवार, 9 दिसंबर से दोबारा शुरू होगी। संचालन से पहले आज प्रशासनिक सचिव व एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार और सचिव, जल क्रीड़ा नीरज श्रीवास्तव ने बोट क्लब का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।

### सुरक्षा मानकों पर जोर

निरीक्षण के बाद एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि वर्षा काल मे 15 जून से 15 अक्टूबर तक बोटिंग प्रतिबंधित रहती है। अब सुरक्षा मानकों की पुष्टि के बाद सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी गई हैं।

### कानपुर में समुद्र जैसा रोमांच, बैराज क्षेत्र में प्रकाश और आरती का आकर्षण

सचिव जल क्रीड़ा नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि बोट क्लब शहर में रोमांच पर्यटन का नया केंद्र बन रहा है। सामान्यत : ऐसी गतिविधियां समुद्री तटों या टिहरी लेक जैसे स्थलों पर मिलती हैं, लेकिन अब यही अनुभव कानपुर में उपलब्ध है। गंगा आरती, बैराज क्षेत्र की प्रकाश आभा और विविध बोट राइड्स आगंतुकों के लिए आस्था और एडवेंचर का अनूठा मिश्रण पेश करेंगी।

### पहली बार पैरासेलिंग, कई आकर्षक बोट राइड्स भी उपलब्ध

बोट क्लब संचालक जे टी फैसिलिटीज़ एवं जसपाल राणा कंपनी के शीशपाल कठैत और वसीम शेख ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में पहली बार पैरासेलिंग की सुविधा यहां शुरू हो रही है। इसके साथ ही जेट-स्की, पैंटून बोट, मोटर बोट, स्पीड बोट और बनाना राइड जैसे आकर्षण भी तैयार हैं। कैफेटेरिया से सूर्योदय-सूर्यास्त का दृश्य और गंगा तट का वातावरण आगंतुकों को विशेष अनुभव देगा।बोट क्लब को कानपुर की नयी पहचान के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां रोमांच और आध्यात्मिक शांति दोनों का अनुभव एक ही स्थान पर संभव होगा।

### सुबह की सैर से लेकर आम प्रवेश समय तय

सुबह की सैर- प्रात : 6 :9 बजे
आम प्रवेश- 11 :7 बजे
गंगा आरती -प्रतिदिन सांय 6 बजे

# यूपीसीडा ने औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ाई अपनी रफ्तार !

**» औद्योगिक इलाकों में स्ट्रीट लाइट्सकैमरा निगरानी और आधुनिक सुविधाओं से बदली तस्वीर**

**» सीईओ विजय किरण आनंद भले ही अभी विभाग की समय नहीं दे पा रहे हैं लेकिन उनकी सतत निगरानी जारी**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के तहत उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) प्रदेशभर के औद्योगिक क्षेत्रों में तेज गति से विकास कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में औद्योगिक क्षेत्रों को आधुनिक, सुरक्षित और उद्योग-अनुकूल बनाने हेतु प्रकाश व्यवस्था, ऊँचे प्रकाश स्तंभ, कैमरा निगरानी तथा जनसुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी है।यूपीसीडा सीईओ विजय किरण आनंद के अनुसार औद्योगिक क्षेत्रों में अब तक 41,075 एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइटें, 837 ऊँचे प्रकाश स्तंभ तथा सेवा मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था का विस्तृत जाल तैयार किया जा चुका है। सड़क व प्रकाश से जुड़े कार्यों पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकास हो रहा है। बेहतर रोशनी से रात्रिकालीन सुरक्षा और आवागमन दोनों में सुविधा बढ़ी है।

सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अब तक 648 कैमरे लगाए जा चुके हैं, जिनसे 24 घंटे निगरानी की जा रही है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में शौचालय, 18 प्रशासनिक केंद्र तथा 55 पुलिस चौकियाँ/थाने का निर्माण पूरा किया जा चुका है।भंडारण तथा परिवहन व्यवस्था को गति देने हेतु यूपीसीडा ने नीति के अंतर्गत 550 एकड़ से अधिक भूमि पर 41 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है, जिनमें 10,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। निवेशकों को सभी आवश्यक सुविधाएँ एक स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूपीसीडा ने अपने औद्योगिक क्षेत्रों में तत्काल क्रियान्वयन मॉडल लागू किया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक भूखण्ड को पानी, सीवर, बिजली, गैस, औद्योगिक अपशिष्ट निस्तारण प्रणाली तथा प्रकाश सिग्नल तंतु जैसी सभी आवश्यक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। साथ ही यूपीसीडा का ऑनलाइन पोर्टल तथा मोबाइल सुविधा माध्यम निवेशकों को आवंटन, भुगतान, अनुमति तथा शिकायत निवारण जैसी सभी सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध करा रहे हैं।यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद ने कहा कि उद्देश्य केवल औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार करना नहीं, बल्कि उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित बनाना है, ताकि निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद वातावरण मिल सके।

### तीन एम्बुलेंस खड़ी रहीं, पर कोई मदद को तैयार नहीं

# बिल्हौर सीएचसी की वो रात जब व्यवस्था ने दम तोड़ दिया

## ड्यूटी डॉक्टर नींद में डूबे, इंसानियत गायब, नियम हैं, कहकर टाली गई तात्कालिक जरूरत, 25 मिनट की कागजी प्रक्रिया में फंसी सांसें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। कहते हैं कि अस्पताल वह जगह है जहाँ इंसानियत सबसे पहले जागती है। लेकिन बिल्हौर सीएचसी में गुज़री शुक्रवार की रात ने ये भरोसा भी हिला दिया कि सरकारी अस्पतालों में मानवता अब बची है भी या नहीं। रात का करीब दस बजने को थे। एक करीबी का घबराया हुआ फोन आया... छोटे भाई की हालत बहुत गंभीर है, ऑक्सीजन वाली एम्बुलेंस लेकर तुरंत आ जाओ, मैं तुरंत बिल्हौर सीएचसी पहुंचा....वहां तीन एम्बुलेंस खड़ी थीं। पर मदद देने वाला एक भी नहीं... ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर आराम से सो रहे थे।**

जैसे ही उन्हें जगाया, मानो दर्द मरीज का नहीं, बल्कि उनकी नींद का था। जवाब मिला...एम्बुलेंस वाले से बात कर लो और दूसरे ने रजाई से मुंह निकालकर गुस्से में कहा- ऐसे कैसे जाएगी? नियम हैं, ध्यान दीजिए। यह गुस्सा बताई गई मरीज की हालत पर नहीं था, बल्कि इसलिए कि डॉक्टर साहब की नींद में खलल हो गया। और इसलिए भी कि सीएचसी प्रभारी साहब की भी खबर पहुंच चुकी थी। कि एम्बुलेंस भेज दो। फिर नाइट ड्यूटी वाले डॉक्टर झल्ला गए, उनके साथ अचानक नियम-कायदे जाग उठे। पर इंसानियत फिर भी नहीं... उधर मरीज के लिए हर मिनट भारी था, लेकिन सीएचसी प्रणाली कागजों और औपचारिकताओं की दीवारें खड़ी कर चुकी थी। तभी पता चला कि इन डॉक्टरों के भी बॉस हैं। उनका इंतजार होने लगा... वे आंखों में नींद लेकर और मास्क लगाकर आए और फरमान सुनाया... ऐसे एम्बुलेंस नहीं जाएगी। यहाँ मरीज आएगा। पहले कागज़ बनेंगे। मानो किसी कागज़ का टुकड़ा मरीज की जीवनदायी सांसों से बड़ा हो गया हो आखिरकार तहसील के एक अधिकारी के हस्तक्षेप पर पर्चा बनना शुरू हुआ। वह भी ऐसे, मानो किसी पर बड़ा एहसान किया जा रहा हो। इस नौटंकी में करीब 25 मिनट निकल गए। तब तक मरीज के परिजन ने कार को ही एम्बुलेंस बना लिया और शहर को निकल गए। फिर खबर आई कि कानपुर पहुंचते ही मरीज ने दम तोड़ दिया। लेकिन सच यह है... कि मरीज से पहले सीएचसी बिल्हौर की मानवीय संवेदनाएं ही दम तोड़ चुकी थीं।

अब सवाल यह है कि अगर सरकारी अस्पतालों की रातें ऐसी ही होने लगीं, तो फिर नाइट ड्यूटी किसके लिए है? और वह गरीब क्या करे, जो आखिरी उम्मीद लेकर इसी दरवाजे पर आता है। सबसे हैरानी की बात यह कि पूरा स्टाफ एकजुट होकर किसी का नाम तक बताने को तैयार नहीं। जवाबदेही का ऐसा शून्य, जिसमें लापरवाही आसानी से ढक जाती है। यह सिर्फ एक मरीज की मृत्यु की कहानी नहीं, यह उस व्यवस्था की संवेदनहीनता की परतें खोलती रिपोर्ट है, जिसका भार आम आदमी रोज सहता है। और जब अस्पतालों में इंसानियत सो जाए, तो अलार्म जनता को ही बजाना पड़ता है। उधर, इस पूरे प्रकरण को बिल्हौर तहसील के एक अधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों को अवगत करा कर जांच की बात कही है। लेकिन असली सवाल वही है कि क्या अगली रात भी किसी और की जान नियमों और नींद के बीच फंस जाएगी? आखिर कब सुधरेगी यह व्यवस्था और जागेंगे जिम्मेदार।

यह अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर प्रकरण है। इसकी विस्तृत लिखित रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। साथ ही माननीय सांसद श्री अशोक रावत जी को भी पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा।

**– जेपी कटियार**
पूर्व उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी

यह गंभीर प्रकरण है। मैं इसकी जांच कराता हूँ। नाइट ड्यूटी में जो डॉक्टर थे,उनकी जवाबदेही तय होगी और उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

**– राहुल बच्चा सोनकर**
विधायक, बिल्हौर विधानसभा

डॉक्टर साहब की इंसानियत मर गई थी क्या। सरकार से वह तनख्वाह किस बात की लेते हैं।रात को सोने की या ड्यूटी करने की। मैं लखनऊ में हूँ बिल्हौर आते ही इस मामले को लेकर अधिकारियों से बात करूंगा।

**– एडवोकेट विनय गौतम**
बिल्हौर विधानसभा प्रभारी, बीएसपी

# सामूहिक विवाह की तिथि अटकी, लाभार्थी परिवारों में बढ़ी बेचैनी

## आवेदन के महीनों बाद भी कार्यक्रम तय नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर/कानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पंजीकरण कराने वाले सैकड़ों लाभार्थी परिवार कार्यक्रम की तिथि घोषित न होने से चिंतित हैं। जानकारी के मुताबिक तहसील क्षेत्र के बिल्हौर, शिवराजपुर, चौबेपुर और ककवन ब्लॉकों में पिछले दो से तीन महीनों के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने आवेदन किया था, लेकिन आयोजन कब होगा इसको लेकर अब तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों ने बताया कि योजना के लिए समय पर पंजीकरण किया गया था, ताकि निर्धारित मुहूर्त में विवाह संपन्न हो सके। लेकिन तिथि स्पष्ट न होने से कई परिवारों को असमंजस की स्थिति से गुजरना पड़ रहा है। कुछ अभिभावकों ने सामाजिक दबाव व तय कार्यक्रमों के चलते अपनी बेटियों का विवाह स्वयं करा दिया है।**

ककवन क्षेत्र की ब्लॉक प्रमुख पुत्र सपा के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि लाभार्थियों को बार-बार केवल जानकारी का इंतजार करने की सलाह दी जा रही है, जिससे परिवारों की परेशानियां बढ़ रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द तिथि तय कर लाभार्थियों को राहत देगा। विनय यादव ने प्रशासन से आग्रह किया कि जिन परिवारों ने मजबूरी में बेटियों का विवाह कर दिया है, उन्हें योजना के नियमों के अनुसार यथोचित विचार किया जाए।

# गढ़ी बिहारीपुर गौशाला: रिकॉर्ड और जमीनी हकीकत में भारी फर्क

**» अधिकारियों के निरीक्षण में खुली पोल, सचिव निलंबित, बीडीओ से जवाब तलब।**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

**बिल्हौर (कानपुर)। गढ़ी बिहारीपुर गांव की गौशाला में शुक्रवार को अधिकारियों के निरीक्षण में कई ऐसी कमियां सामने आईं, जिन्होंने पूरे तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए। एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आईडीएन चतुर्वेदी की टीम जब परिसर में पहुंची, तो प्रशासनिक शक को मजबूत करने वाली कई बातें सामने आईं।**

## गो पालक भी कम, जवाब भी नहीं, दो गोवंश मृत मिले

जांच के दौरान सबसे पहले जिस बात ने अधिकारियों को चौंकाया, वह था गोवंशों की वास्तविक संख्या का रजिस्टर से मेल न खाना। दस्तावेज़ों में 230 गोवंश दर्ज थे, लेकिन मौके पर पहुंचते-पहुंचते यह संख्या काफी कम निकली। इसके बावजूद चारे की खपत रजिस्टर में उसी आधार पर दिखाई जा रही थी, जैसे सभी 230 गोवंश मौजूद हों। टीम ने इसे रिकॉर्ड-रखरखाव में गंभीर गड़बड़ी का संकेत माना।

गौशाला में तैनात आठ गोपालकों में से केवल तीन ही सक्रिय ड्यूटी पर मिले। गायब गोवंश कहां गए, इसका संतोषजनक उत्तर भी कोई नहीं दे सका। ग्रामीणों ने टीम को बताया कि जिम्मेदार अधिकारी महीने में सिर्फ एक दो बार ही गौशाला आते हैं

### खली-भूसा का स्टॉक खत्म, चोकर स्टोर में भी गंदगी

अधिकारियों को गोदाम की हालत भी ठीक नहीं मिली। भूसा और खली का स्टॉक समाप्त था। चोकर भंडारण स्थल पर भी गंदगी फैली मिली, जिससे गौशाला के रख-रखाव का स्तर खुद ही स्पष्ट हो गया।

निरीक्षण के दौरान टीम को दो गोवंश मृत अवस्था में मिले। अधिकारियों ने मौके पर ही उनका निस्तारण कराया। निरीक्षण के बाद तैयार की गई रिपोर्ट को कानपुर डीएम को भेजी गई।

जाँच में प्राथमिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की लापरवाही सामने आई है। इसी आधार पर डीएम ने सचिव के निलंबन का आदेश जारी किया है, वहीं ककवन ब्लॉक बीडीओ से भी जवाब तलब किया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि जाँच का दायरा और बढ़ा तो और भी अधिकारी कर्मचारी लपेटे में आ सकते हैं।

## सम्पादकीय

# बीएलओ पर कार्य का दबाव कम किया जाए

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे।

निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे।

जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके।

# दस्तावेजी प्रक्रिया से मुक्त हो एसआईआर

ज्योति मल्होत्रा

**अलग-अलग तरह के 'कागजात' बनवाने की जटिल प्रक्रिया जारी है जिनमें एक एसआईआर यानी वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण भी है। नागरिक जटिलताओं में फंसे हैं और बार-बार साबित करने को मजबूर हैं कि हम कौन हैं। आधुनिक राज्य...अलग-अलग तरह के 'कागजात' बनवाने की जटिल प्रक्रिया जारी है जिनमें एक एसआईआर यानी वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण भी है। नागरिक जटिलताओं में फंसे हैं और बार-बार साबित करने को मजबूर हैं कि हम कौन हैं। आधुनिक राज्य हमारे मूलभूत इंसानी गुणों को बायोमेट्रिक्स और दस्तावेज़ों तक सीमित कर देता है।**

ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग जिस ढंग से मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण करवा रहा है, उसमें जरूरी नहीं सब कुछ ठीक हो। असल में, जैसा कि पश्चिम बंगाल से आई खबरों से पता चलता है, इससे आम लोगों के साथ-साथ बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) में भी बहुत तनाव और चिंता पैदा हो रही है। काम के अत्यधिक दबाव की वजह से चार बीएलओ द्वारा आत्महत्या कर लेना सच में चिंता की बात है, लेकिन यह भी उतना ही ज़रूरी है कि आम नागरिक या शांति से रहने वाले लोग इस बात को लेकर बहुत परेशान हैं कि उन्हें किस तरह के दस्तावेज़ दिखाने होंगे ताकि उनका नाम संशोधित सूची से कटने न पाए। जैसा कि विरोधी पार्टियां आरोप लगा रही हैं, इस डर से अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या ऐसा है कि विशेष सघन पुनरीक्षण कानून के ज़रिए सरकार हमसे यह साबित करने के लिए कह रही है कि हम भारतीय हैं, हमारे माता-पिता भारतीय हैं, और हम गैर-कानूनी अप्रवासी नहीं हैं? और खासकर पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में, यह अभियान एक नया रूप धर चुका है।

सोचिए यह मानसिक व्यग्रता कितनी संक्रामक है। हालांकि मैं दिल्ली में रहता हूं, फिर भी मैंने अपने सारे दस्तावेज़ सही क्रम से रखने शुरू कर दिए हैं - वो दस्तावेज जो यह साबित कर सकें कि मैं भारत में ही पैदा हुआ हूं, मेरे माता-पिता भारतीय थे, और मेरा नाम 2002 की वोटर लिस्ट में था। मेरे पिता एक सरकारी ऑफिसर थे। तीन दशक से ज्यादा समय तक, मैंने एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाया।

मैं नियमित रूप से आयकर भरता हूं। मेरे पास मेरा पासपोर्ट है। फिर भी, मैं गहरी चिंता से मुक्त नहीं हूं। कौन जानता है कि कल को सरकार मुझसे भी कह दे कि ये दस्तावेज़ काफी नहीं हैं?कल्पना कीजिये आधार की नियति के बारे में। यह हर जगह जरूरी है - बैंकों में, हवाई अड्डे में, स्कूलों में, अस्पतालों में और यहां तक कि श्मशान घाटों में भी। लेकिन अब हमें बताया गया कि आधार कार्ड नागरिकता का सुबूत नहीं है। और हमें यह भी बताया जाता है कि अगर आपके पास मतदाता फोटो पहचान पत्र तो है, लेकिन किसी अनजान वजह से आपका नाम 2002 की वोटर सूची में नहीं है, तब आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सच में, मैं परेशान हूं। अगर मेरे जैसा सर्व सुविधा संपन्न व्यक्ति इस चिंता और असुरक्षा की भावना से बच नहीं सका, तो सोचिए कि एक प्रवासी मज़दूर, कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति, झुग्गी में रहने वाला, या एक आम किसान किस विकट स्थिति से गुज़र रहा होगा। हालांकि, यह सिर्फ़ मेरी, या आपकी चिंता की बात नहीं है। असल में, यदि हम और गहराई में उतरना गवारा करें तो, हमें आधुनिक राष्ट्र की प्रवृत्ति को समझना होगा, जो आज़ादी और मानवाधिकारों की ललित कथाओं के बावजूद, अपने नागरिकों पर निगरानी रखने का सामान्यीकरण करते हुए, रोज़मर्रा की ज़िंदगी में निरंतर दस्तावेजों की मांग के ज़रिए पूर्ण नियंत्रण बनाना चाहती है। कोई हैरानी नहीं कि आम नागरिक होने के नाते, हम लगातार डर के कभी न खत्म होने वाले चक्र में फंसे रहते हैं। 'कागज' पूरे करने को हमें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भागने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

# बाढ़ व सूखा संकट से रक्षा के अभिनव प्रयास

**जल धरोहर-संरक्षण**

ज्वाला सिंह दास

**जल-संरक्षण उपाय बाढ़ व सूखे दोनों का संकट कम करने में बहुत उपयोगी भूमिका निभाते हैं व यदि इन्हें जल-धरोहर की रक्षा के रूप में अधिक प्रतिष्ठित किया जाए तो और भी बढ़ती संख्या में व अधिक उत्साह से लोग इन प्रयासों से जुड़ सकते हैं। किसी भी क्षेत्र में बाढ़ या सूखे के संकट के पीछे अनेक कारक होते है। वर्षा बहुत होगी या कम, अचानक बहुत तेजी से बरसेगी या ऐन मौके पर रूठ जाएगी, इस पर लोगों का नियंत्रण नहीं है। पर इतना जरूर है कि वे यदि जल व मिट्टी संरक्षण के सतत प्रयास करते रहें तो यह दोनों ही संकट व उपजी क्षति को बहुत कम अवश्य किया जा सकता है।**

यदि एक क्षेत्र के सैकड़ों गांव अपने प्राकृतिक वर्षा जल के बहाव के क्षेत्रों को गंदगी व अवरोधों से मुक्त रखते हैं व इनमें गड्ढे कर इनमें अधिक वर्षा के जल को रोक लेते हैं; चेक डैम आदि निर्माण करते हैं; अधिक वृक्षों व मेढ़बंदी से मिट्टी व पानी को रोकते हैं। तालाबों जैसे जलस्रोतों की नियमित सफाई कर इनकी वर्षा के जल ग्रहण करने की क्षमता को बनाए रखते हैं या बढ़ाते हैं तो इस क्षेत्र में अधिक वर्षा होने पर अधिकांश पानी भली-भांति समा जाएगा। इससे बाढ़ उत्पन्न करने की समस्या कम होगी। दूसरी ओर बाद के महीनों में जल संकट भी कम होगा क्योंकि विभिन्न स्रोतों से अधिक जल एकत्र हो चुका होगा। इस कारण जल-स्तर भी ठीक बना रहेगा, हैंडपंप व कुएं आदि में जल उपलब्ध रहेगा। इस तरह जल-स्रोतों व छोटी-बड़ी नदियों की रक्षा के अनुकूल भी

स्थितियां उत्पन्न होंगी। वहीं दूसरी ओर इन सभी कार्यों की उपेक्षा से मामूली वर्षा तेजी से बहुत सी मिट्टी को भी बहा ले जाएगी और बाढ़ का संकट उत्पन्न करेगी। दूसरी ओर चूंकि विभिन्न स्रोतों व भूजल के रूप में बहुत कम जल संरक्षित हुआ है, अतः मानसून के बाद के महीनों में जल-संकट उपस्थित हो जाएगा। सूख रहे तालाबों पर अतिक्रमण भी होने लगेगा। छोटी नदियां भी संकटग्रस्त हो जाएंगी। अतः स्पष्ट है कि वर्षा की मात्रा, बांध, तटबंध आदि चर्चित कारकों से अलग आपदाओं से रक्षा में एक बड़ी भूमिका आम लोगों, विशेषकर गांववासियों के जल-संरक्षण से जुड़े प्रयासों की है। जहां ये काम निरंतरता-निष्ठा व सूझबूझ से होंगे, वहां आपदाओं का प्रकोप भी कम हो सकेगा। मरखेड़ा गांव (जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश) एक समय जल संकट से बहुत परेशान था। हैंडपंप, कुएं सभी स्रोतों में पानी बहुत कम मिल रहा था। पानी जुटाने में महिलाओं की कठिनाइयां बहुत बढ़ गई थीं। तब सामाजिक कार्यकर्ता मंगल सिंह ने उपाय सुझाया कि प्राकृतिक जल बहाव मार्ग में सावधानी से स्थान चुनकर निर्धारित गहराई व आकार के गड्ढे बना दिए जाएंगे तो भू-जल स्तर सुधारा जा सकता है।

गांववासियों ने उत्साह से यही किया व जो मिट्टी खोदी गई उसका उपयोग मेढ़ बनाने में किया। इसका बहुत सार्थक परिणाम मिला तो गांववासियों ने टूट-फूट रहे चेक डैम की मरम्मत भी कर ली। बहुत सा वृक्षारोपण भी किया। अतः बहुत कम खर्च पर ही गांव का जल-संकट दूर करने में उल्लेखनीय सफलता मिली। कुछ किसानों की उत्पादकता 50 प्रतिशत तक बढ़ गई।इसी राज्य के जल संकटग्रस्त नदना गांव (जिला शिवपुरी) में ढलानदार भूमि में वर्षा का जल और भी तेजी से बह जाता था और मिट्टी भी अधिक काटता था। खेती की उत्पादकता कम हो गई थी व प्रवासी मजदूरी पर निर्भरता बढ़ रही थी। यहां भी जल-संरक्षण के प्रयास आरंभ हुए व जल प्रवाह के नाले में लगभग 80 स्थानों पर गड्ढे बनाए गए। खेत-तालाब, गेवियन किस्म के चेक डैक बनाए गए। इससे भू-जल स्तर में बहुत सुधार हुआ, लोगों को कुओं व हैंडपंप में पर्याप्त पानी मिलने लगा। पशु-पक्षियों को जल-स्रोतों में वर्ष भर पर्याप्त पानी मिलने लगा। घास-चारा भी अधिक उपलब्ध होने लगा। कृषि उत्पादकता भी बढ़ी ।

# जालौन: थाना प्रभारी ने सर्विस रिवॉल्वर से किया सुसाइड

- पुलिस महकमे में छाया शोक
- कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर जान दे दी
- पत्नी ने एक महिला आरक्षी पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जालौन। जनपद में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर जान दे दी। गोली चलने की आवाज सुनते ही उनके हमराही आवास पर पहुंचे, तो उन्होंने प्रभारी निरीक्षक को खून से लथपथ हालत में पाया।घायल अवस्था में उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद ले जाया गया, जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए उरई के लिए रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही जालौन के पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मामले की जांच जारी है।पोस्टमार्टम के बाद शव को पुलिस लाइन उरई लाया गया, जहां पुलिस सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी गई। पूरे पुलिस महकमे में गहरा शोक व्याप्त रहा। जनप्रतिनिधियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक सभी की आंखें नम दिखीं।संतकबीर नगर के ग्राम रजनोली निवासी अरुण कुमार राय वर्तमान में जालौन के कुठौंद थाने में तैनात थे। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव में किया जाएगा। परिवारजन पूरी तरह सदमे में हैं।

**पत्नी ने लगाया हत्या का आरोप**

इधर, मृतक इंस्पेक्टर की पत्नी ने महिला आरक्षी मीनाक्षी शर्मा पर हत्या का आरोप लगाते हुए जालौन के पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपा है। मामले में उच्चाधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। घटना ने पूरे जनपद को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस महकमे में उठ रहे सवालों के बीच सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

## सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को एक सडक़ हादसे में बाइक सवार पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को उपचार के लिए अकबरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

बेवन गांव निवासी 38 वर्षीय सनोज कुमार अपनी पत्नी पूनम देवी के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे।अकबरपुर कोतवाली के सामने अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सडक़ पर गिर गई। हादसे में सनोज और उनकी पत्नी दोनों बुरी तरह से घायल हो गए।हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना 108 एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

## रोड पर बकरी आ जाने से बाइक सवार दो युवक घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना भोगनीपुर के गांव उमरिया गांव निवासी दो युवक शिवम् पुत्र सर्वेश और राहुल पुत्र मनोज बीएससी का पेपर देकर वापस घर लौट रहे थे। तभी दोनों युवक बाइक से घर आ रहे थे। तभी जरसेन गांव के पास ही अचानक सडक़ पर बकरी आ गई, जिससे उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सीधे बकरी से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही वहां मौजूद राहगीरों ने 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। कॉल मिलते ही 108 एंबुलेंस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को देवीपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया मौजूद डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

# माया बिल्डर फर्म पर दर्ज होगी एफआईआर

» केडीए के 10 करोड़ रुपये के फायर फाइटिंग टेंडर घोटाले में भ्रष्ट अफसर-कर्मचारियों की बढ़ेंगी मुश्किल

» केडीए अफसरों की मिलीभगत से फर्जी अनुभव पत्र से हथियाया था करोड़ों का ठेका

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया कानपुर सिटी 03
केडीए में माया बिल्डर फर्म को बचाने वालों की लगेगी लंका!
10 करोड़ के फायर फाइटिंग टेंडर में भारी हेराफेरी, शासन सख्त

कानपुर। केडीए के 10 करोड़ रुपये के फायर फाइटिंग टेंडर घोटाले में अब बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की शुरुआत होने जा रही है। सीडीओ दीक्षा जैन की जांच रिपोर्ट के बाद शासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ठेका लेने वाली माया बिल्डर फर्म पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही इस गड़बड़ी में शामिल रहे अफसरों और कर्मचारियों की भी कानूनी घेराबंदी तय है।

जांच में यह खुलासा हुआ कि माया बिल्डर ने फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र के आधार पर शताब्दीनगर स्थित एफोर्डेबल आवासों में फायर फाइटिंग सिस्टम का 10 करोड़ का टेंडर हासिल किया। टेंडर प्रक्रिया में योग्य फर्मों की आपत्तियाँ भी नजरअंदाज कर दी गईं।

घोटाले की तीन मुख्य कड़ियाँ सामने आ चुकी हैं । इनमें पूर्व चीफ इंजीनियर डीसी श्रीवास्तव हैं। इनके कार्यकाल में नियमों के विपरीत टेंडर स्वीकृत किया गया। अनुभव सत्यापन की प्रक्रिया को जानबूझकर दरकिनार किया गया। वहीं, पूर्व अधिशासी अभियंता आशु मित्तल ने टेंडर पास होने के बाद इन्होंने बिना तकनीकी जांच के भुगतान जारी कराया।

एक्सियन मनोज कुमार उपाध्याय का नाम भी अहम है। आशु मित्तल के स्थानांतरण के बाद शेष भुगतान उपाध्याय द्वारा किया गया, जिसकी पुष्टि रिकॉर्ड में दर्ज नोटिंग से होती है।

सूत्रों के अनुसार, एफआईआर केवल फर्म पर ही नहीं, बल्कि इन अफसरों सहित पूरे नेटवर्क पर दर्ज की जाएगी।

प्रभारी अधिशासी अभियंता मयंक यादव ने बताया कि सीडीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई चल रही है, शासन से मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं, अब इस पर मुकदमा दर्ज भी करवाया जाएगा।

## जांच की जद में आएंगे और भी कर्मचारी

फ़ाइल मूवमेंट, नोटिंग, भुगतान प्रस्ताव और तकनीकी अनुमोदन हर स्तर पर कई कर्मचारियों और अभियंताओं की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। जांच अधिकारियों का मानना है कि टेंडर से भुगतान तक का यह खेल पूरी टीम की मिलीभगत के बिना संभव ही नहीं था। शासन ने 8 मई 2023 और 13 फरवरी 2023 को केडीए से रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन दोनों पत्र महीनों तक विभाग के अंदर ही दबे रहे।

अब शासन इस बात की भी जांच करा रहा है कि पत्र रोककर किसने फर्म को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया।

# 6 दिसंबर को लेकर सुरक्षा कड़ी

## संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ी

» जुमे की नमाज़ से पहले संवेदनशील इलाकों में कमिश्नर ने फोर्स संग किया पैदल मार्च

» असम, बंगाल, झारखंड पुलिस से समन्वय, 300 बाहरी व्यक्तियों का वेरिफिकेशन पूरा

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। जुम्मे की नमाज़ और 6 दिसंबर के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस आयुक्त कानपुर नगर रघुबीर लाल ने गुरुवार को शहर के संवेदनशील इलाकों में फोर्स के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा तैयारियों की गहन समीक्षा की। यह पैदल निरीक्षण सद्भावना पुलिस चौकी से शुरू होकर यतीमखाना चौराहा, मीना इलेक्ट्रॉनिक्स तिराहा, बीडी मार्केट, दादा मियां चौराहा, मछली तिराहा होते हुए दलेलपुरवा चौराहा तक चला।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि विभिन्न बस्तियों से 1100 संदिग्ध व्यक्तियों की सूची बनाई गई थी, जिनमें से 850 व्यक्तियों का सत्यापन पूरा हो चुका है। शेष 250 लोगों का सत्यापन तेजी से किया जा रहा है। इस कार्य में स्थानीय पुलिस के साथ असम पुलिस, वेस्ट बंगाल पुलिस और झारखंड पुलिस भी लगातार समन्वय कर रही है।निरीक्षण के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि जिन व्यक्तियों को बाहरी बताया गया, वे झारखंड के पाकुड़ जिले के करीब 300 निवासी हैं। इन सभी का फिजिकल वेरिफिकेशन पूरा कर लिया गया है। अन्य बस्तियों में भी पुलिस टीमें घरङ्घर जाकर सत्यापन कर रही हैं।6 दिसंबर को देखते हुए पूरे शहर, खासकर मेन सिटी के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है और महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस की निगरानी 24 घंटे रखी जा रही है। पुलिस आयुक्त ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त सेंट्रल श्रवण कुमार भी मौजूद रहे।

# संपूर्ण समाधान दिवस पर एडीएम ने सुनी फरियादियों की शिकायतें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

## एसआईआर के चलते संपूर्ण समाधान दिवस में दिखी कम भीड़

कानपुर देहात। तहसील सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कई शिकायतें आईं। जिसमें कुछ शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। हालांकि एसआईआर के चलते संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की संख्या में कमी रही।

शनिवार को रसूलाबाद तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिसमें शिकायत सुनने के लिए अपरजिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह पहुंचे। उन्होंने आए हुए फरियादियों के शिकायतों को सुना और जिम्मेदारों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत करने आए मालका पुरवा निवासी रामनारायण तिवारी ने बताया कि उनके चबूतरे पर उनका पैतृक कुआं है। जिस पर पड़ोस के ही गजेंद्र सिंह जबरन अपनी सबमर्सिबल डाले हुए थे तमाम शिकायत के बाद सबमर्सिबल तो हट है गई लेकिन दबंग प्रवृत्ति का गजेंद्र सिंह उनके जमीन पर जबरन चबूतरा बनाकर रास्ता बंद किए हुए है। वहीं इसी प्रकार मुनैरापुर निवासी शैलेंद्र सिंह ग्राम प्रधान ने बताया कि 12 साल में विगत 9 वर्षों से सुभाषचंद्र व नवाब सिंह अवैध रूप से कब्जा किए हुए। जिसके चलते गांव में आने वाली बारातों को स्कूल व अन्य जगहों पर संपन्न करना पड़ता है।

अपर जिलाधिकारी को शिकायत देकर उन्होंने बारातशाला कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की। वहीं संपूर्ण समाधान दिवस में प्रमुख रूप से उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह, तहसीलदार संतोष प्रताप, नायब तहसीलदार सुदर्शन सिंह, एसडीओ विद्युत सहादत सलीम, एडीओ पंचायत जेपी शुक्ला सहित कई लोग मौजूद रहे।

# हुनर से ऊंचाई की राह दिखायेगा सीमा परिवार

## » सरकार का उद्देश्य है हर हाथ मजबूत हो, हर घर में एक मालिक तैयार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। यही उडऩ देने जा रहा है सीमा परिवार, जो ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और घरों में रहने वाली बहनों को उनके हुनर के अनुसार रोजगार से जोडक़र आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिए आगे बढ़ रहा है। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश सरकार में अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के उपाध्यक्ष विश्वनाथ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य है हर हाथ मजबूत हो, हर घर में एक मालिक तैयार हो, जो न सिर्फ खुद आगे बढ़े बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे।उन्होंने बताया कि सरकार की 17 महत्वपूर्ण योजनाएँ ऐसे लोगों के लिए बनी हैं, जिन्हें थोड़े मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की जरूरत है। कौशल विकास के जरिए युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार के नए अवसरों से जोडऩा सरकार की पहली प्राथमिकता है। कार्यक्रम में सीमा परिवार के अध्यक्ष हरदीप सिंह राखरा ने कहा कि कानपुर देहात के सभी उद्यमी अपने दरवाजे प्रशिक्षित युवाओं के लिए खोल चुके हैं। सरकार की योजनाओं के सहयोग से आज विभिन्न उद्योग और व्यापार नई ऊर्जा के साथ आगे आ रहे हैं, जो ग्रामीण युवाओं को मज़बूत आधार प्रदान करेंगे सीमा परिवार का यह प्रयास निश्चित रूप से हुनर को ऊँचाई देगा और ग्रामीण युवाओं के सपनों को नई दिशा, नई उड़ान प्रदान करेगा।

## ऑनलाइन अटेंडेंस के विरोध में पंचायत सचिवों का धरना

» डिजिटल दबाव हटाने की मांग, प्रदर्शन के बाद अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती । ऑनलाइन अटेंडेंस लागू किए जाने के खिलाफ पंचायत सचिवों ने ब्लॉक मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी धरना दिया। सचिवों का कहना था कि ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क और तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण यह व्यवस्था पूरी तरह अव्यावहारिक है और उनके दैनिक कार्यों में गंभीर बाधा उत्पन्न कर रही है। धरने में सचिवों ने बताया कि गांवों में आज भी इंटरनेट कनेक्टिविटी बेहद कमजोर है, जिससे हर दिन ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना कठिन हो जाता है। सचिवों ने कहा कि वे पहले से ही अनेक योजनाओं और सरकारी कार्यों की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस का अतिरिक्त बोझ उनकी कार्य क्षमता को प्रभावित कर रहा है।सचिवों ने शासन से मांग की कि जब तक ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नेटवर्क और तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो जातीं, तब तक इस व्यवस्था को लागू न किया जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपस्थिति से अधिक महत्वपूर्ण है कि मैदानी कार्य समय से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे हों। धरना समाप्त होने के बाद प्रतिनिधि मंडल ने ब्लॉक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ऑनलाइन अटेंडेंस को वापस लेने, कार्यभार कम करने और सचिवों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई। सचिवों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और आगे बढ़ाया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# सेल्स मैनेजर से इंटरनेशनल ठग बना रवीन्द्र सोनी, अभिनेता को भी ठगा

**970 करोड़ की इंटरनेशनल ठगी**

» दिल्ली के रवीन्द्र सोनी ने दक्षिण भारतीय अभिनेता सूरज जुमानी को भी लगाया 4 करोड़ का चूना

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

**कानपुर। दिल्ली के कुख्यात ठग रवीन्द्र नाथ सोनी की इंटरनेशनल ठगी का दायरा अब और बड़ा हो गया है। शुक्रवार को दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता सूरज जुमानी ने पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल से मिलकर बताया कि सोनी ने उनसे भी चार करोड़ रुपये की ठगी की है। चेन्नई के रहने वाले और दुबई में भी फिल्मों में अभिनय कर चुके सूरज की मुलाकात सोनी से तभी हुई थी, जब ठग दुबई की एक बैंक में सेल्स मैनेजर था।**

पुलिस के अनुसार रवीन्द्र सोनी और उसके साझेदारों ने भारत, दुबई, अमेरिका, जापान और सऊदी अरब समेत कई देशों के 1000 से अधिक लोगों से कुल 970 करोड़ रुपये ठगे। ठगी की रकम उसके 12 से ज्यादा बैंक खातों में ट्रांसफर की गई, जहां से पैसे उसके विदेशी सहयोगियों द्वारा क्रिप्टो में कन्वर्ट कर दिए जाते थे।रवीन्द्र सोनी ने दुबई में दो वर्ष पहले ब्लूचिप टोकन कंपनी लॉन्च की थी। कंपनी के ब्रांड को विश्वसनीय दिखाने के लिए उसने अभिनेता सोनू सूद और रेसलर द ग्रेट खली को ब्रांड अंबेसडर बनाया था। निवेश पर 30-40 फीसदी तक रिटर्न देने का लालच देकर उसने भारत, अमेरिका, मलेशिया, जापान और कनाडा में एक दर्जन से अधिक फर्जी कंपनियाँ खोलीं।दुबई में पहले भी एक शिकायत पर उसे जेल भेजा गया था, जहां वह छह महीने कैद में रहने के बाद भारत लौटा। यहां भी उसने केरल, लखनऊ, अलीगढ़, हरियाणा, मुंबई और दिल्ली में कई लोगों को करोड़ों का चूना लगाया। कानपुर के परेड निवासी अब्दुल करीम और उनके बेटे तलहा करीम से उसने 42.29 लाख रुपये ठगे, जिसके बाद 5 जनवरी 2025 को एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस ने 1 दिसंबर को उसे देहरादून से गिरफ्तार कर जेल भेजा।

**सोनी के जेल जाने के बाद देश-विदेश से लगातार शिकायतें आ रही हैं। अभिनेता सूरज जुमानी द्वारा सौंपे गए दस्तावेजों की जांच की जा रही है। आरोपी 2019 में अलीगढ़ के एक केस में भी जेल जा चुका है।**

**- रघुबीर लाल, पुलिस आयुक्त**

# कानपुर देहात में निखिल ढाबा के खिलाफ गंभीर आरोप

**अवैध कारोबार का अड्डा बना ढाबा?, संचालक नितिन गुप्ता पर बढ़ी कानूनी शिकंजे की कसावट**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर देहात। अकबरपुर क्षेत्र में स्थित निखिल ढाबा एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। ढाबा संचालक नितिन गुप्ता के खिलाफ अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोपों ने पुलिस और स्थानीय लोगों में हड़कंप मचा दिया है।अकबरपुर निवासी पीड़ित अभिषेक शुक्ला द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर कोतवाली में बीएनएस की धारा 115, 352, 351, 324 सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा, चेक बाउंस के मामले में एनआई एक्ट 138 का नोटिस भी जारी हुआ है।**

स्थानीय सूत्रों और शिकायतकर्ता के अनुसार, नितिन गुप्ता ढाबे की आड़ में कथित रूप से सट्टा, जुआ और कालगर्ल सप्लाई जैसे अवैध धंधों को संचालित करता है। बताया गया कि क्षेत्र के कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में यह नेटवर्क काफी समय से सक्रिय है। जांच के दौरान कई नामों के सामने आने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है।

### मजबूरी का फायदा उठाकर पैसे ऐंठने का आरोप

पीड़ित अभिषेक शुक्ला का कहना है कि दीपावली के पहले पटाखे की दुकान लगाने और ढाबा संचालन में हिस्सेदारी के नाम पर नितिन गुप्ता ने उससे 4 लाख 70 हजार रुपये अपने खाते में डलवाए थे। रकम के बदले में उसने चेक सौंपे, लेकिन बैंक में जमा करने पर सभी चेक बाउंस हो गए।कई बार संपर्क करने पर भी पैसा न लौटाने और उल्टा जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। इसी आधार पर अभिषेक शुक्ला ने नोटिस तलब कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

सदर कोतवाल हरमीत सिंह ने बताया कि मामला गंभीर है, मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। अवैध गतिविधियों की पुष्टि होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ढाबे में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों की चर्चा स्थानीय लोगों में बनी हुई थी। ताजा शिकायत के बाद माहौल और गरमाता जा रहा है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि पुलिस इस प्रकरण की गहराई से जांच कर ढाबे में चल रहे अवैध कारोबार का पर्दाफाश करेगी।

नितिन गुप्ता का नंबर से देह व्यापार में सप्लायर बातचीत

**निखिल गुप्ता का बयान**

**पैसों का विवाद है, इस तरह के कोई कार्य नहीं करता हूं। मेरे ढाबों पर कई कैमरे लगे हुए हैं।**

# 'मिशन शक्ति' अभियान में छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा के दिए टिप्स

**» पुलिस टीम ने कृष्णा इंटर कॉलेज में गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध पर दी जानकारी**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मिशन शक्ति अभियान, फेज 5.0 के तहत थाना रनिया की मिशन शक्ति केंद्र टीम ने ग्राम परसौली स्थित कृष्णा इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से कॉलेज की छात्राओं और ग्रामीण महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर केंद्रित रहा। प्रभारी निरीक्षक रीना गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महिलाओं और बच्चियों को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों और इससे जुड़े दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।

जागरूकता सत्र के दौरान, टीम ने साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी, ताकि महिलाएं डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें। इसके अतिरिक्त, बालिका सुरक्षा के अति संवेदनशील विषय गुड टच और बैड टच के बारे में सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया, जिससे बच्चियाँ किसी भी अनुचित स्पर्श को पहचान सकें और तुरंत उसकी जानकारी दे सकें। महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण टोल फ्री नंबरों (जैसे 1090, 112, 1076, 1098 आदि) की जानकारी दी गई और उन्हें आपात स्थिति में इनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई, ताकि वे उनका लाभ उठा सकें।

# मवई में इनोवा-ब्रेज़ा भिड़ी, सुल्तानपुर में ट्रेलर की टक्कर से टूरिस्ट बस पलटी, एक की मौत

**अयोध्या-रुदौली मार्ग पर हुआ हादसा**

**» दर्जनों घायल यात्रियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, दो की हालत गंभीर**

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। शुक्रवार का दिन अयोध्या और आसपास के इलाकों के लिए मानो दुर्घटनाओं का काला दिन बनकर आया। मवई चौराहे पर हुए भीषण सडक़ हादसे में एक युवक की मौत और सात लोग घायल हुए ही थे कि इसी बीच सुल्तानपुर कूड़ेभार चौक से और भी दर्दनाक खबर आ गई। जहां एक ट्रेलर की टक्कर से टूरिस्ट बस पलट गई। बस में सवार सभी श्रद्धालु महाराष्ट्र निवासी थे। हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि दर्जन भर से अधिक लोग घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार मवई थाना क्षेत्र के मवई चौराहे पर शुक्रवार शाम तेज रफ्तार इनोवा ने ब्रेज़ा कार को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ब्रेज़ा अनियंत्रित होकर दो ई-रिक्शा और एक मारुति कार से जा भिड़ी। चौराहे पर कुछ ही पलों में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। इस तेज रफ्तार टक्कर में रानेपुर निवासी 28 वर्षीय प्रेमचंद्र कनौजिया की मौके पर मौत हो गई। घायलों में स्वेता शर्मा, ई-रिक्शा चालक रमेश शबाना, अरिशा, अनम फातिमा, दूसरे ई-रिक्शा चालक रमेश, राहुल शामिल है। चार घायलों को जिला अस्पताल अयोध्या भेजा गया, जबकि दो को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर किया गया। सूचना पर सीओ रुदौली आशीष निगम और मवई थाना पुलिस मौके पर पहुँची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। सभी क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

# हनुमानगढ़ी का विवाद: आश्रम में आग, आरोपों की आंधी

**करोड़ों की संपत्ति पर 'महंती' की जंग**

**» संत महेश योगी का आरोप, मुझे जिंदा जलाने की साजिश**

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**अयोध्या। हनुमानगढ़ी परिसर के गोविंदगढ़ स्थित आश्रम में शुक्रवार देर रात संत महेश दास उर्फ़ स्वामी महेश योगी को जिंदा जलाने की कोशिश ने अयोध्या के संत समाज, प्रशासन और धार्मिक हलकों में भूचाल ला दिया है। रात 2:45 बजे हुई इस घटना ने सवाल छोड़ दिए हैं कि आखिर यह हमला हत्या की कोशिश थी या फिर 15 करोड़ के आश्रम विवाद की आग अब खुलकर लपटें बनकर उठने लगी है?**

महेश योगी के मुताबिक जाली काटकर अज्ञात लोग कमरे में घुसे, ज्वलनशील पदार्थ फेंका गया,वह जमीन पर सो रहे थे,धुआं और गर्मी से नींद खुली,शिष्यों ने किसी तरह आग बुझाई,सारा सामान जलकर राख हो गया। उनका दावा साफ है यह मेरी हत्या की सोची-समझी साजिश थी।

प्राथमिक जांच में पुलिस को जो तथ्य मिले, वे सीधे-सीधे संपत्ति विवाद की ओर इशारा करते हैं। गोविंदगढ़ आश्रम की लगभग 15 करोड़ की संपत्ति और 'महंत' के अधिकारों को लेकर महीनों से तनाव चल रहा है।

महेश योगी ने सीधे आरोप लगाए हैं जिसमे बसंतिया पट्टी के महंत रामचरण दास,संत लड्डू दास, मन्नू दास,मणिराम दास,और आश्रम से जुड़ीं महिलाएं ममता देवी, नीतू देवी, खुशबू, शिवानी सबने मिलकर उन्हें फंसाने और खत्म करने की साजिश रची।

महंत लड्डू दास

महेश योगी दास

## आरोप झूठे, कहानी गढ़ी गई

स्वराज इंडिया ने जब आरोपित पक्ष का रुख जानना चाहा, 80 वर्षीय महंत रामचरण दास बातचीत के लिए तैयार नहीं हुए, लेकिन संत लड्डू दास ने खुलकर जवाब दिए यदि मैं दोषी पाया गया, तो कानून की कठोर सजा मंजूर। महिलाओं पर लगाए गए आरोप पूरी तरह झूठे और घृणित हैं।

हमारी भांजी बच्चों को पढ़ाती है, बेटियां बाहर पढ़ाई और नौकरी में हैं, महेश योगी का आरोप निराधार है। लड्डू दास ने आश्रम की विरासत पर भी बड़ा खुलासा किया और कहा कि पूर्व महंत गुरु रामप्रीत दास ने आधी संपत्ति मन्नू दास और आधी संतोष दास के नाम वसीयत की थी। महेश दास को पंचों ने चेला नहीं माना, इसलिए उनसे आश्रम खाली करने को कहा गया।इसके बाद उन्होंने नकली वसीयत बनाकर कोर्ट से स्टे ले लिया, जिसे हमने चुनौती दी है।लड्डू दास के अनुसार महेश योगी ने पहले ही चेतावनी दी थी आश्रम छोड़ दो, नहीं तो राम सहारे दास जैसी हालत होगी।यह बयान विवाद को और गहरा करता है। महेश योगी को अन्न-जल बंद क्यों किया गया? लड्डू दास कहते हैं यह पंचों का फैसला था। महेश दास को चेला न माने जाने के बाद ही यह व्यवस्था बदली गई। हनुमानगढ़ी में फैसले 'पंचायती' होते हैं, व्यक्तिगत नहीं।

सीओ आशुतोष तिवारी ने बताया कमेटी गठित कर जांच शुरू हो गई है,आग की घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। शुरुआती संकेत संपत्ति विवाद की ओर,

सीसीटीवी फुटेज की जांच जारी है,आरोपियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू है। बता दे कि आश्रम में लंबे समय से नेतृत्व को लेकर खींचतान चल रही है। महंती का अधिकार, वसीयत, संपत्ति और शक्ति का संतुलन इस विवाद के केंद्र में है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर 'साजिश' और 'फर्जीवाड़े' के आरोप लगा रहे हैं।घटना की टाइमिंग और तरीके पर पुलिस को भी शक है। अयोध्या में यह पहला मामला नहीं है जब आश्रम-संपत्ति विवाद हिंसा, आगजनी या गंभीर आरोपों तक पहुंचा हो।लेकिन इस बार एक संत ने सीधे आरोप लगाया है कि उन्हें जिंदा जलाने की कोशिश की गई।

# विपक्षी दलों के वोट कटवा रहे भाजपा के लोग: अजय राय

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बरेली। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शनिवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने यहां दिवंगत शिक्षक अजय अग्रवाल के परिवार से मुलाकात की। पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। इसके बाद मीडिया से मुखातिब हुए उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को बरेली में कहा कि भाजपा के लोग विपक्षी दलों के वोट घटवा रहे हैं और अपने वोट बढ़वा रहे हैं। भाजपा बीएलओ पर दबाव डाल कर हमारे वोट घटवाने को चुनाव मान रही है। भाजपा के संगठन में कोई मजबूती नहीं है, यह भावनाओं को भड़काती है। इनकी ताकत सिर्फ हिंदू-मुस्लिम करना है। जो असली मुद्दे हैं, उनके संबंध में इनके पास कोई जवाब नहीं होता है।

अजय राय ने कोतवाली के सामने आंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां पत्रकारों से उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के एसआईआर के लिए सरकार को कम से कम छह महीने का समय देना चाहिए था। सरकार के दबाव से बीएलओ तनाव में हैं और उनकी मौत हो रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कर्मचारी नगर, गाली नंबर 5 निवासी एमबी इंटर कॉलेज के दिवंगत शिक्षक अजय अग्रवाल के बेटे और परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की। अजय अग्रवाल एसआईआर के कार्य में लगे थे। ब्रेन हैमरेज से उनकी मौत हो गई थी।

# पत्रकार पर हमले से मची क्षेत्रीय सियासत में हलचल

## गौरव पांडे के बहाने पवन पर वार, अयोध्या की राजनीति में नया तूफ़ान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। पत्रकार राममूर्ति यादव पर हुए जानलेवा हमले ने जहां पत्रकार समाज की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं इस घटनाक्रम के खुलासे के बाद सामने आया गौरव पांडे का नाम अब अंदरूनी सियासी जंग का नया मोर्चा बन गया है। तीन गिरफ्तारियाँ हो चुकी हैं, सूत्रधार के रूप में गौरव पांडे की भूमिका पर उंगलियां उठ रही हैं, लेकिन अचानक ही इस पूरे मामले को मोड़ देकर पूर्व मंत्री युवा ब्राह्मण नेता तेज नारायण पांडे 'पवन' को निशाने पर लेने की चाल खुलकर सामने आने लगी है।**

पवन पांडे समाजवादी पार्टी के उन नेताओं में गिने जाते हैं, जिनकी तेज आवाज़ और प्रशासन पर सीधी चोट कई लोगों को अखरती है सत्ता पक्ष को भी, और अपने ही संगठन के एक धड़े को भी। अखिलेश यादव के खास माने जाने वाले पवन पांडे को लेकर लंबे समय से अंदरूनी असहजता बनी रहती है। इसी जमीन पर अब गौरव पांडे (जिनका सरनेम भी पांडे) के नाम को बहाना बनाकर पवन पांडे को हमले के आरोपियों से जोडने का खेल शुरू हो गया है। वजह सिर्फ इतनी कि सोशल मीडिया पर गौरव पांडे और पवन पांडे की कुछ तस्वीरें मौजूद हैं और कुछ लोग इसे अपने राजनीतिक एजेंडे में बदलने को उतारू हैं।सूत्र बताते हैं कि यह पूरा घटनाक्रम सिर्फ कानून-व्यवस्था या अपराध का मामला नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी के भीतर चल रही खामोश खींचतान का हिस्सा भी हो सकता है। पवन पांडे ब्राह्मण समाज से आते हैं, सपा के पारंपरिक वाई एम समीकरण से इतर पार्टी को सालों से मजबूत किया,छात्र जीवन से पार्टी के लिए समर्पित रहे,अयोध्या जैसी सीट बीजेपी की राम लहर के बावजूद दो-दो बार मामूली अंतर से चुनाव हारे। इसी मजबूत जनाधार और तेज तर्रार शैली ने पार्टी के कुछ अंदरूनी तत्वों को लंबे समय से असहज कर रखा है।

ऐसे में पत्रकार पर हमले की आड़ में पवन पांडे को बदनाम करने की यह सोची-समझी रणनीति बताई जा रही है। स्पष्ट है कि गौरव पांडे सपा के जिला सचिव हैं, और पुलिस जांच में उनका नाम आया है, लेकिन इसे सीधे पवन पांडे की तरफ मोडने की कोशिशें राजनीतिक बदले की बू छोड़ती हैं।

### पत्रकारों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल

**राजनीतिक बयानबाजी से इतर, सबसे गंभीर मुद्दा यह है कि आखिर पत्रकार पर खुला हमला अयोध्या जैसी संवेदनशील नगरी में कैसे हुआ? क्या पत्रकार अब भी सुरक्षित हैं? क्या राजनीतिक एजेंडों की आड़ में पत्रकारों पर हमले को हल्का दिखाने की कोशिश हो रही है? पुलिस पर दबाव है, जांच की दिशा पर सवाल हैं, और पत्रकार समाज में गुस्सा है। पत्रकार राममूर्ति यादव पर हमला गंभीर अपराध है। आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है लेकिन जांच की आड़ में राजनीतिक टारगेटिंग भी उतनी ही गंभीर बात है। अयोध्या की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल में है। पत्रकार हमला एक ओर है, लेकिन इसके सियासी नफा-नुकसान के खेल ने इसे और ज्यादा विस्फोटक बना दिया है।**

# टीएमसी विधायक की मस्जिद घोषणा पर तपस्वी छावनी में उग्र विरोध, पोस्टर फूंका

## अयोध्या में भड़का संत समाज, कहा बाबरी के नाम पर कोई निर्माण नहीं होने देंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 6 दिसंबर की दहलीज पर अयोध्या फिर एक बार राष्ट्रधर्म की उबलती राजनीति का केंद्र बन गई है।

पश्चिम बंगाल के टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद की नींव रखने का ऐलान न केवल संवेदनशील शहर की शांति को झकझोर गया। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर परमहंसाचार्य ने अयोध्या में कबीर का पोस्टर आग के हवाले कर स्पष्ट संदेश दिया भारत में बाबर के नाम की मस्जिद की एक भी ईंट नहीं रखी जाएगी।

यह मात्र विरोध नहीं था, बल्कि आने वाले दिनों की उस संभावित भिड़ंत का संकेत था

जिसे प्रशासन रोकने की कोशिश कर रहा है, और दूसरी ओर राजनीतिक बयानबाज़ी लगातार हवा दे रही है। परमहंसाचार्य का यह प्रदर्शन प्रतीकात्मक ज़रूर था, लेकिन इसका प्रभाव सीधा अयोध्या के सामाजिक तापमान पर पड़ा है। संत समाज ने इसे सनातन परंपरा और हिंदू समाज पर सीधा प्रहार बताते हुए कहा बाबर के नाम पर किसी भी निर्माण की कोशिश हुई तो इसका पूरे बल से विरोध किया जाएगा।

### राजनीतिक दांव या जानबूझकर पैदा किया गया विवाद?

लोगों के बीच चर्चा है कि क्या यह महज़ राजनीतिक स्टंट है या इसके पीछे कोई बड़ी रणनीति है। कबीर पहले ही टीएमसी से निलंबित हैं, बंगाल की राजनीति में अल्पसंख्यक ध्रुवीकरण चरम पर है। बाबरी और अयोध्या के नाम पर बयान देना राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां पाने का सबसे तेज़ तरीका रहा है। क्या यह एक सोचा-समझा 'पोलराइजेशन कार्ड' था? स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां भी इसी दिशा में इनपुट जुटा रही हैं। वहीं संत समाज ने शासन- प्रशासन से साफ कहा है बाबर के नाम पर किसी भी धार्मिक निर्माण को रोकने के लिए तुरंत सख्त कार्रवाई हो।परमहंसाचार्य ने ये भी चेतावनी दी कि संत समाज धर्म और राष्ट्रहित के खिलाफ किसी भी प्रयास को किसी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा।स्थानीय खुफिया इकाइयाँ भी सक्रिय हैं और किसी भी उकसावे वाली गतिविधि पर पैनी नजर रख रही हैं।

### होमगार्ड्स के 63वें स्थापना दिवस के आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी

# यूनिफॉर्म धारी फोर्स के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए

## होमगार्ड जवानों के लिए ऐलान, आयुष्मान की तर्ज पर मिलेगा कैशलेस इलाज

आज शनिवार को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर पुष्पांजलि अर्पित करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के होमगार्ड जवानों को आयुष्मान भारत की तर्ज पर कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने होमगार्ड विभाग से कहा कि इसका प्रस्ताव बनाकर भेजें। सरकार इसे लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने ये घोषणा शनिवार को होमगार्ड विभाग के 63 वें स्थापना दिवस पर की है। उन्होंने आलमाग स्थित होमगार्ड मुख्यालय के मैदान में आयोजित रैतिक परेड का मान प्रमाण स्वीकार किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति के विशिष्ट और सराहनीय पदक विजेता रहे होमगार्ड विभाग के अधिकारियों और जवानों को पदक देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि होमगार्ड के जवानों ने सभी क्षेत्रों में अपनी पहचान बनायी है। महाकुंभ से लेकर चुनावों में ड्यूटी से लेकर यातायात, थाना के साथ हर केन्द्र और प्रदेश के विभागों में सेवाएं दे रहे हैं।

परेड कमाण्डर ने मुख्यमंत्री को सलामी दी। परेड में 12 प्लाटून शामिल हुईं। इसमें तीन प्लाटून इंसास राइफल, चार प्लाटून पुरुष, तीन प्लाटून महिला, यातायात और फायर फाइटिंग की एक-एक प्लाटून शामिल की गईं। परेड में बाइक पर सवार थंडर बोल्ट दस्ता और बैंड ने प्रतिभाग किया। दस्ते में 21 बाइकों पर 34 पुरुष और महिला जवान बाइक राइडर के साथ जवानों ने प्रदर्शन किया। इस मौके पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, होमगार्ड मंत्री धर्मवीर प्रजापति, मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विभागीय मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि जवानों ने नए-नए आयाम तय करते हुए अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जवानों के भत्ता ड्यूटी, एरियर का भुगतान ऑनलाइन व्यवस्था से पारदर्शी हुआ है। जवानों का पुलिस बल के साथ सहयोगी बल की भूमिका में महत्वपूर्ण योगदान है। पुलिस विभाग दो पहिया और चार पहिया वाहनों और डॉयल 112 के अधिकांश वाहनों में होमगार्ड्स के जवान चालक की सेवा दे रहे हैं।

### बाबा साहब की हर मूर्ति पर बाउंड्रीवाल बनेगी, छत्र लगेगा

बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गरीबों, दलितों और समाज के कमजोर तबके की बेहतरी के लिए कई बड़े ऐलान किए। लखनऊ में बाबा साहब को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद इस मौके पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सीएम योगी ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, संविदा कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने का निर्णय ले लिया गया है। कारपोरेशन का गठन भी हो गया है। एक-दो महीने के अंदर यह सुनिश्चित हो जाएगा कि इन कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय की गारंटी मिले। इसके साथ ही सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अब कोई शरारती तत्व छेड़छाड़ नहीं कर पाएगा। हर मूर्ति के चारों ओर बाउंड्रीवाल बनाई जाएगी। जहां मूर्ति के ऊपर छत्र नहीं होगा वहां छत्र लगाकर बाबा साहब की मूर्ति का पूरा सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की हर दलित, मलिन बस्ती, अनुसूचित जाति बस्तियों और जनजाति बस्तियों को कनेक्टिविटी की योजनाओं से जोड़ा जाएगा। सीएम ने कहा कि यद्यपि ग्राम्य और नगर विकास विभाग ने ज्यादातार बस्तियों को कनेक्टिविटी से जोड़ दिया है लेकिन यदि फिर भी कोई भी बस्ती रह गई हो तो उसे जोड़ा जाएगा। बाबा साहब को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए एक प्रेरणा दिवस है। बाबा साहब ने फर्श से अर्श तक की दूरी यानि जमीन से आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए जो परिश्रम किया, जिन कठिनाइयों से वे जूझे वो अतुलनीय है। उन्होंने कोटि-कोटि दलितों-पिछड़ों-वंचितों को एक सम्मानजनक जीवन जीने देने का नया अवसर उपलब्ध कराया। आज का दिन उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का दिवस है।

श्रद्धांजलि सभा में सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब ने भारत के संविधान की प्रस्तावना में न्याय, समता और बंधुता ये तीन शब्द रखे थे। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश मे आज उस प्रकार के अभियान चल रहे हैं। गरीब को राशन, वंचित को मकान, हर गरीब के घर में शौचालय, समाज की मुख्य धारा के साथ जुड़कर स्वास्थ्य की बेहतरीन सुविधा हर गरीब को प्राप्त हो सके, घरौंदी के माध्यम से आपको आपकी जमीन का मालिकाना हक उपलब्ध कराने की व्यवस्था हो, यह सब उसी के तहत है। सीएम योगी ने कहा कि दुर्भाग्य से तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल न सिर्फ देश का नुकसान कर रहे हैं बल्कि बाबा साहब की भावनाओं का भी अपमान कर रहे हैं। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण सहित कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

# देश का नारा जय जवान, जय किसान, जय संविधान होना चाहिए: सपा मुखिया

## डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर अखिलेश यादव ने उठाई मांग

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर नई मांग उठाते हुए कहा है कि देश का नारा जय जवान, जय किसान, जय संविधान होना चाहिए। अखिलेश यादव ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया संविधान को लेकर कोई पक्ष-विपक्ष नहीं होना चाहिए। सब एक तरफ़, एक मत होने चाहिए।संविधान सिर्फ़ किताब नहीं बुनियाद भी है।**

एक लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद बात ये है कि संसद में संविधान को बचाने पर बहस हो रही है, जबकि संविधान के हिसाब से देश को आगे बढ़ाने की चर्चा होनी चाहिए। संविधान पर संकट का आना दरअसल लोकतंत्र पर संकट का छाना है। जो संविधान को कमज़ोर करना चाहते हैं, वो लोकतंत्र को कमज़ोर करना चाहते हैं और लोकतंत्र के विरोधी वही होते हैं जो एकतंत्र लाना चाहते हैं। संविधान हक़ देता है, और जो हक़ मारना चाहते हैं, वो संविधान को नकारने की कोशिश करते हैं।

उन्होने लिखा मैंने कई बार कहा आज फिर कह रहा हूँ। संविधान ही संजीवनी है। इसमें देश को अच्छा करने की, अच्छा रखने की शक्ति है। संविधान लोकतंत्र का कर्म ग्रंथ होता है। इसीलिए हमारे लिए संविधान कर्म ग्रंथ है। देश संविधान से चलना चाहिए, मन-विधान से नहीं। संविधान ही पीडीए का प्रकाश स्तंभ है क्योंकि संविधान ही व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करता है। यह पीडीए समाज को शोषण, उत्पीड़न से बचाता है और शोषकों को यही सज़ा दिलवाता है। इसीलिए हम पीडीए वालों के लिए आख़िरी उम्मीद का

नाम संविधान है।

अखिलेश यादव ने कहा, संविधान ही हमारा रक्षा कवच है। संविधान ही हमारी ढाल है। संविधान है तो सुरक्षा है।संविधान है तो शक्ति है। संविधान ही देश की 90 प्रतिशत शोषित, उपेक्षित, पीड़ित, वंचित जनता के अधिकारों का सच्चा संरक्षक है। संविधान ही सबसे बड़ा मददगार है। इसीलिए पीडीए के लिए संविधान की रक्षा जनम-मरण का विषय है।जो संविधान नहीं मानते, उनके लिए यह कोरा पन्ना है।संविधान ही लोकतंत्र की प्राणवायु है। संविधान को निष्क्रिय करना स्वतंत्रता को निष्क्रिय करना होता है। संविधान को परतंत्र बनाकर जो लोग राज करना चाहते हैं, उनके लिए आज़ादी का अमृतकाल भी सिर्फ़ एक जुमला है।

अखिलेश यादव ने कहा अंत में मैं सिर्फ़ यह कहना चाहूँगा कि संविधान बचेगा तो न्याय बचेगा और न्याय बचेगा तभी सबको बराबर मान, सम्मान, सबको बराबर मौके मिलेंगे, भेदभाव भी मिटेगा और भेद का भाव भी। इसीलिए आज फिर से संविधान को बचाने के लिए एक और करो या मरो आंदोलन की ज़रूरत है। सबको स्थान - सबको सम्मान देने की आवश्यकता है।

## बाबर मेरा मसीहा नहीं था: अंसारी

अयोध्या। बाबरी ढांचा ध्वंस की बरसी पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद जैसे ढांचे का पत्थर रखे जाने की खबर पर बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले में पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि बाबर मेरा कोई मसीहा नहीं था। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आता है तो कुछ लोग ऐसे मसले उठाकर लोगों को भड़काने की कोशिश करते हैं। यह पूरी तरह गलत है। आज अयोध्या में रोजगार और विकास है। जो नहीं था वो सब हो गया। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद जैसे ढांचे का पत्थर रखे जाने के सवाल पर इकबाल अंसारी ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए।